महाराजा अग्रसेन टेक्निकल एजुकेशन सोसाइटी कार्यक्रम में संबोधन

महाराजा अग्रसेन टेक्निकल एजुकेशन सोसाइटी के शिक्षकों व मैनेजमेंट के सदस्यगणों तथा सभी विद्यार्थियों को संस्था के वार्षिक-उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ।

किसी भी शिक्षण संस्थान में जाना हमेशा एक अद्भुत एवं सुखद अनुभव रहता है, ये एक अवसर होता है युवा साथियों से अपने विचार साझा करने का व उनके विचारों से अवगत होने का।

आप विद्यार्थीगण हमारे देश के कर्णधार हैं, देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं।

हमारे राष्ट्र निर्माताओं का देश के विकास के लिए जो विजन था, उन्होंने जो सपने देखे थे, उस विजन को और उन सपनों को पूरा करने का दायित्व हमारे युवा साथियों के कन्धों पर ही है।

साथियो, आपको गर्व होना चाहिए कि आपकी संस्था का नाम महाराजा अग्रसेन जैसे महापुरुष के नाम पर है, जो त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति, समृद्धि और समता के लिए जाने जाते हैं। वे न सिर्फ एक श्रेष्ठ शासक थे बल्कि एक उत्कृष्ट प्रशासक भी थे।

उनका जीवन ही उनका संदेश था। आपका प्रयास होना चाहिए कि आप उनके जीवन का, उनके दर्शन का, उनके विचारों का गहन अध्ययन करें और उनके मानवीय मूल्यों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं।

महाराजा अग्रसेन सोसाईटी के ट्रस्टीगण तथा इसके संस्थापक दिल्ली विधान सभा से तीन बार निर्वाचित विधायक, डॉ. नंद किशोर गर्ग को विशेष रूप से बधाई, जो इस सोसाइटी के लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में मुख्य प्रेरणा स्रोत रहे हैं।

मैं श्री नन्द किशोर गर्ग जी का अभिनंदन करता हूँ कि वे अपने संस्थान के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा द्वारा प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, विधि, फार्मेसी और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश के लिए उत्तम मानव संसाधन तैयार करने का पुनीत काम कर रहे हैं।

आपकी सोसाइटी द्वारा बुनियादी और व्यावसायिक शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा के अतिरिक्त इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, IT। सहित अनेक शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की गई है। इन संस्थानों में दी गई बेहतरीन शिक्षा के माध्यम से हम अपने भविष्य को और उर्वर बना रहे हैं।

साथियो, आप एक ऐसी सभ्यता और संस्कृति के उत्तराधिकारी हैं जिसका शिक्षा, विज्ञान, अध्यात्म और कला जैसे क्षेत्रों में अमूल्य योगदान रहा है। लोकतंत्र का जन्म भी हमारे देश में ही हुआ है।

नया करने की, नया सोचने की हमारी स्वाभाविक प्रवृत्ति रही है। आपको भी अपने जीवन में इसी प्रवृत्ति को अपनाना है।

हमारा देश एक विकासशील देश है। हमारे राष्ट्र निर्माताओं का सपना था कि एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण हो, एक ऐसे समाज का निर्माण हो, जहां प्रत्येक व्यक्ति को विकास करने का अधिकार हो और उसके लिए उस व्यक्ति के पास पर्याप्त अवसर हों।

हमारे समाज में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय के लक्ष्य की प्राप्ति तभी हो सकती है जब हमारी युवा पीढ़ी को उच्च कोटि की शिक्षा मिले और जब उनकी शिक्षा पूर्ण हो जाए तो हमारे युवा समर्पित भाव से, संकल्पित होकर राष्ट्र निर्माण के लिए प्रयासरत हों।

देश के अंदर निर्धनता, निरक्षरता, पिछड़ेपन जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए समग्र राष्ट्र को एकजुट और प्रतिबद्ध होना आवश्यक है ताकि हम अपनी भावी पीढ़ी के लिए एक विकसित, समर्थ और शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण कर सकें। राष्ट्र निर्माण के इस पुनीत कार्य में आप सभी प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

हमारे देश के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में काफी बदलाव किए जा रहे हैं। देश में तेजी से सामाजिक-आर्थिक बदलाव के लिए अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं जिसके केंद्र में शिक्षा और आधुनिक टेक्नोलॉजी का अद्भुत समन्वयन है।

इन बदलावों के परिणाम भी दिखने लगे हैं। पिछले वर्षों में सरकार के प्रयासों से स्टार्ट अप की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, हमारा देश यूनिकॉर्न के मामले में विश्व में अग्रणी स्थान पर है।

आज का युग टेक्नॉलोजी का युग है। सूचना प्रौद्योगिकी ने हमारी जीवन शैली को और कार्य शैली को पूरी तरह से बदल दिया है।

आप युवा हैं और समाज में आए इस परिवर्तन को बेहतर तरीके से समझते हैं। आपके विचारों में ऊर्जा है, आप नई सोच रखते हैं और आप समाज को नई दिशा दे सकते हैं।

आज मानव समुदाय के समक्ष महामारी, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य जैसी कई वैश्विक समस्याएं हैं जिनका समाधान हमारे साझे भविष्य के लिए आवश्यक है। आपका दायित्व है कि आप इन समस्याओं का ऐसा समाधान लाएं जो जनता के लिए सरल हो और सुगम हो।

इसके लिए आपको इनोवेशन करने होंगे और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करना होगा।

हमारी सरकार ने इन solutions का मार्ग आसान बनाने के लिए Skill India, डिजिटल इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से अनुकूल वातावरण बनाने का प्रयास तो किया है, पर यह आपका दायित्व है, और आपको मंथन करना है कि आप किस प्रकार इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

आपको निश्चित रूप से यह समझना होगा कि आपका भविष्य उज्ज्वल उसी दशा में होगा, जब हमारा देश एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र के रूप में सामने आएगा।

साथियो, लोकतंत्र सही अर्थों में उसी दशा में आ सकता है, जब एक समृद्ध और विकसित राष्ट्र का निर्माण हो। नागरिक और प्रशासन जब सामूहिक रूप से समाज की समस्याओं को समझकर उनके समाधान करने का प्रयत्न करते हैं, तभी वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होता है।

महाराजा अग्रसेन जी ने इस सत्य को मानते हुए अपने राज्य को सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाया था और आज के आधुनिक युग लोकतंत्र का मुख्य उद्देश्य भी यही है।

अंत में मैं यहाँ उपस्थित अपने युवा साथियों से कहना चाहता हूँ कि आप देश की सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति हैं। आप देश की शक्ति, जीवंतता और ओजस्विता के प्रतीक हैं, स्वर्णिम भविष्य की आशा हैं। आपके सामर्थ्य, ऊर्जा और उत्साह को राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण के लिए उपयोग करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शैक्षणिक संस्थानों का भी दायित्व है कि वे उन्हें न सिर्फ शैक्षणिक रूप से समर्थ बनाएं बल्कि सामाजिक तौर पर उपयोगी भी बनाएं।

मैं आशा करता हूं कि महाराजा अग्रसेन जैसे मनीषी के नाम पर बना यह संस्थान प्रतिबद्ध, जिम्मेदार, अनुशासित, ईमानदार और सामाजिक रूप से संवेदनशील नागरिकों का निर्माण करता रहेगा ताकि हमारे राष्ट्र की उन्नति को और गति मिल सके।

मैं एक बार फिर कॉलेज के प्रबंधन को उनके सभी सद्प्रयासों की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद।